प्रेस विज्ञप्ति

एफओएलयू इंडिया की प्रमुख रिपोर्ट जारी: किसान कृषि कानून और आगे का रास्ता

यह रिपोर्ट उन तीन भारतीय कृषि कानूनों के महत्व और संभावित प्रभावों को रेखांकित करती है, जिन्हें शुरुआत में जून 2020 में अध्यादेश के तौर पर लागू किया गया था। इस रिपोर्ट में नीतिगत सुधारों के लिए खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण अपनाने की सिफारिश की गई है।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल 2022 : फूड एंड लैंड यूज कोलिशन (एफओएलयू) इंडिया मैं आज एक महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किया है इसमें भारत की संसद द्वारा सितंबर 2020 में पारित किए गए तीन कृषि कानूनों के संभावित प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। 'फार्मर्स, फार्म लॉज एंड वे फारवर्ड' (किसान, कृषि कानून और आगे का रास्ता) विषयक इस रिपोर्ट में खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण अपनाकर कृषि नीति से संबंधित पहलों के रूपांतरण से संबंधित उपाय सुझाए गए हैं।

एफओएलयू इंडिया के सीनियर फेलो सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री नंदकुमार की अगुवाई में तैयार की गई यह रिपोर्ट भारतीय कृषि क्षेत्र के सामने खड़े महत्वपूर्ण मुद्दों का जायजा लेने के साथ-साथ समाप्त किए गए तीन कृषि कानूनों के गुण-दोषों और उन्हें खत्म किए जाने का परीक्षण भी करती है।

यह रिपोर्ट क्रियाशील बाजारों, विधिक, नीतिगत प्रोत्साहन तथा संस्थाओं के परिप्रेक्ष्य में रूपांतरणकारी उपायों के लिए विविध दृष्टिकोण प्रदान करती है। यह आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय सरोकारों के मद्देनजर नीति में व्यापक बदलाव की पैरोकारी भी करती है। **(अधिक जानकारी के लिए अनुलग्नक देखें)**

टेरी की महानिदेशक डॉक्टर विभा धवन की मौजूदगी में इस रिपोर्ट को एफओएलयू की साझीदार संस्थाओं सीईईडब्ल्यू डब्ल्यूआरआई और आरआरएएन ने आज जारी किया। साथी संगठनों के प्रमुखों ने इस रिपोर्ट के प्रमुख संदेशों पर जोर देते हुए अपने विचार भी साझा किये। यह रिपोर्ट जारी होने के बाद शोध, कृषि समुदाय मीडिया तथा नीति समेत विभिन्न क्षेत्रों के पैनलिस्ट द्वारा बेहद गहन विचार-विमर्श भी किया गया। इनमें सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के डॉक्टर मेखला कृष्णमूर्ति, कमतन फार्म टेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रवेश शर्मा एफओएलयू के एंबेस्डर और भारत कृषक समाज के चेयरमैन अजयवीर जाखड़ द इंडियन एक्सप्रेस के हरीश दामोदरन और आर्कस पॉलिसी रिसर्च की श्वेता सैनी प्रमुख थीं।

एफओएलयू इंडिया के कंट्री कोऑर्डिनेटर के. एम. जयहरि ने इस विचार विमर्श कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा "भारत में कृषि नीतियों का रूपांतरण अपरिहार्य है। जिन मुद्दों के मद्देनजर यह रूपांतरण जरूरी है उन्हें इस रिपोर्ट में सूचीबद्ध किया गया है। एफओएलयू इंडिया का उद्देश्य एक ज्ञान आधारित इकोसिस्टम बनाना है जो विभिन्न हितधारकों के बीच इस विषय पर सूचित विचार विमर्श का मंच तैयार करे। इन हितधारकों में किसान, केंद्रीय तथा राज्य सरकारें शामिल है। यह रिपोर्ट इसी दिशा में एक प्रयास है।

श्री नंद कुमार ने इस रिपोर्ट के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा "हमें एक ऐसे तंत्र की आवश्यकता दे, जो हमें आर्थिक स्वतंत्रता दे, जो कि किसानों के लिए लाभ देयता है। इसके अलावा सामाजिक सततता तथा पर्यावरणीय सततता भी आवश्यक है जो सकारात्मक या तटस्थ प्रभाव वाली हो। दूसरे शब्दों में कहें तो हमें एक किसान और गरीब के प्रति लाभदायक और प्रकृति उन्मुख नीति की आवश्यकता है। इससे भी ज्यादा हमें एक लैंगिक समावेशी नीति की जरूरत है।"

एफओएलयू इंडिया के कंट्री लीड सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एस विजय कुमार ने संदर्भ तय करते हुए अपने संबोधन में कहा "यह रिपोर्ट अपनी संपूर्णता में भारतीय कृषि सुधारों के ज्ञान के आधार के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और उपयोगी अतिरिक्त है। जैसा कि हम निरसन के बाद की अवधि में सुधार प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ते हैं, यह रिपोर्ट भारतीय कृषि की विविधता और उस संदर्भ को संबोधित करने की आवश्यकता को देखते हुए प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कई उपयोगी संकेत प्रदान करेगी। जिसके तहत देश के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लागू किए जाएंगे। मैं इस बेहद दिलचस्प रिपोर्ट के लिए श्री नंद कुमार को धन्यवाद देता हूं।"

जय हरि के. एम. पीएचडी, एफओएलयू इंडिया कंट्री कोऑर्डिनेटर- यह रिपोर्ट नए कृषि कानूनों को रद्द किए जाने के बाद किसी शोध संस्थान और एक वरिष्ठ नीति विशेषज्ञ द्वारा उठाया गया ऐसा पहला कदम है। इसका उद्देश्य समग्र परिप्रेक्ष्य के साथ अतीत के विश्लेषण में वर्तमान परिदृश्य की क्षमता का एक रचनात्मक दृष्टिकोण हासिल करना है ताकि समाज में भविष्य की ओर देखते हुए विचार-विमर्श को शुरू किया जा सके।

डब्ल्यूआरआई इंडिया के बारे में:

डब्ल्यूआरआई इंडिया एक शोध संगठन है जिसमें अन्य विशेषज्ञ तथा स्टाफ के लोग नेतृत्वकर्ताओं के साथ नजदीकी से काम करके बड़े विचारों को जमीन पर उतारते हैं ताकि एक स्वस्थ पर्यावरण बनाया जा सके, जो आर्थिक अवसर तथा मानव कल्याण की आधारशिला है। हमारा दृष्टिकोण एक समानतापूर्ण और समृद्ध धरती का निर्माण करना है जो प्राकृतिक संसाधनों के समझदारीपूर्ण प्रबंधन से संचालित होती हो। हम एक ऐसी दुनिया बनाने की आकांक्षा रखते हैं जहां सरकारों, कारोबार जगत और समुदायों की गतिविधियां मिलकर गरीबी का उन्मूलन करें और सभी लोगों के लिए कुदरती पर्यावरण को बनाए रखें।

एफओएलयू के बारे में:

वर्ष 2017 में गठित फूड एंड लैंड यूज कोलिशन (एफओएलयू) ऐसे संगठनों और लोगों का एक समुदाय है जो उन रास्तों को रूपांतरित करने की फौरी आवश्यकता के प्रति संकल्पबद्ध है, जिनके जरिए हम भोजन का उत्पादन और उसका उपयोग करते हैं और अपनी जमीन, कुदरत और जलवायु का इस्तेमाल करते हैं। हम विज्ञान आधारित समाधान के तौर पर सहयोग करते हैं और सामूहिक तथा महत्वाकांक्षी कार्य करने के लिए चुनौतियां तथा अवसरों की एक साझा समझ विकसित करने में भी मदद करते हैं।

भारत में एफओएलयू कॉलेशन में काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू), रिवाइटलाइजिंग रेनफेड एग्रीकल्चर नेटवर्क (आरआरएएन), द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टीट्यूट (टेरी) तथा वर्ल्ड रिसोर्सेस इंस्टीट्यूट इंडिया (डब्ल्यूआरआई- इंडिया) शामिल है इसके अलावा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट अहमदाबाद की अगुवाई में एक विस्तृत एकीकृत कंट्री मॉडलिंग प्रयास जिसमें इंटरनेशनल क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सेमी एरिड एंड ट्रापिक्स (आईसीआरईएसएटी) का सहयोग भी प्राप्त है।

एफओएलयू के बारे में यहां और अधिक जानें

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें-
जय हरि के. एम. पीएचडी
एफओएलयू इंडिया कंट्री कोऑर्डिनेटर
फोन: +91 9971799271
ईमेल : km.jayahari@wri.org

पल्लवी सिंह

कम्युनिकेशन मैनेजर- एफओएलयू इंडिया
फोन Ph: +91 999915429
ईमेल- pallavi.salut@gmail.com